Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय

भाग-1

वाइमर गणराज्य का जन्म

निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. वाइमर गणराज्य का जन्म
2. हिटलर का उदय
3. नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण
4. नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति
5. आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध



योग्यता आधारित शिक्षण (Competency)

नात्सीवाद

वर्साय की संधि के बाद जर्मनी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वाइमर गणराज्य का जन्म



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नात्सीवाद और हिटलर का उदय

- नात्सी शब्द जर्मन भाषा के 'नात्सियोणाल' के प्रारम्भिक अक्षरों से बना है।
- नात्सियोणाल शब्द हिटलर की पार्टी के नाम का पहला शब्द था।
- इसलिए इस पार्टी के लोगों को नात्सी कहा गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- मई 1945 में जर्मनी ने मित्र राष्ट्रों के सामने समर्पण कर दिया।
- हिटलर और उसके प्रचार मंत्री ग्योबल्स ने बर्लिन के एक बंकर में आत्महत्या कर ली थी।

मित्र राष्ट्र : मित्र राष्ट्रों का नेतृत्व शुरू में ब्रिटेन और फ्रांस के हाथों में था। 1941 में सोवियत संघ और अमेरिका भी इस गठबंधन में शामिल हो गए। उन्होंने धुरी शक्तियों यानी जर्मनी, इटली और जापान का मिलकर सामना किया।

मित्र राष्ट्र
ब्रिटेन व फ्रांस
सोवियत संघ व अमेरिका

धुरी राष्ट्र
जर्मनी
इटली
जापान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



हिटलर (मध्य) और ग्योबल्स (बाएँ), सरकारी बैठक के बाद बाहर निकलते हुए, 1932.

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- युद्ध खत्म होने के बाद न्यूरेम्बर्ग में एक अंतर्राष्ट्रीय सैनिक अदालत स्थापित की गई।
- इस अदालत को निम्न अपराधों के लिए नात्सी युद्धबंदियों पर मुकदमा चलाने का जिम्मा सौंपा गया।
  - ✧ शांति के विरूद्ध किए गए अपराध
  - ✧ मानवता के खिलाफ किए गए अपराध
  - ✧ युद्ध अपराध



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरे विश्वयुद्ध के साए में जर्मनी ने जनसंहार शुरू कर दिया।
- यूरोप में रहने वाले कुछ खास नस्ल के लोगों को सामूहिक रूप से मारा जाने लगा।
- इस युद्ध में मारे गए लोग थे-
  - यहूदी - 60 लाख
  - जिप्सी - 2 लाख
  - पोलैंड के नागरिक - 10 लाख
  - जर्मन नागरिक - 70,000



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- न्यूरेम्बर्ग अदालन ने केवल 11 मुख्य नात्सियों को ही मौत की सजा दी।
- पहले विश्वयुद्ध जैसा कठोर दण्ड जर्मनी पर नहीं थोपा गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

वाइमर गणराज्य का जन्म

- बीसवीं शताब्दी के शुरूआती सालों में जर्मनी एक ताकतवर साम्राज्य था।
- उसने ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के साथ मिलकर मित्र राष्ट्रों के खिलाफ़ पहला विश्वयुद्ध लड़ा।
- मित्र राष्ट्र - इंग्लैंड, फ्रांस और रूस।
- फ्रांस और बेल्जियम पर कब्जा करके जर्मनी ने शुरूआत में सफलताएँ हासिल की।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1917 में अमेरिका भी मित्र राष्ट्रों में शामिल हो गया।
- नवम्बर 1918 में उन्होंने केन्द्रीय शक्तियों को हराने के बाद जर्मनी को भी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।
- साम्राज्यवादी जर्मनी की पराजय और सम्राट के पदत्याग ने वहाँ की संसदीय पार्टियों को जर्मन राजनीतिक व्यवस्था को नए खाँचे में ढालने का अच्छा मौका उपलब्ध करवाया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

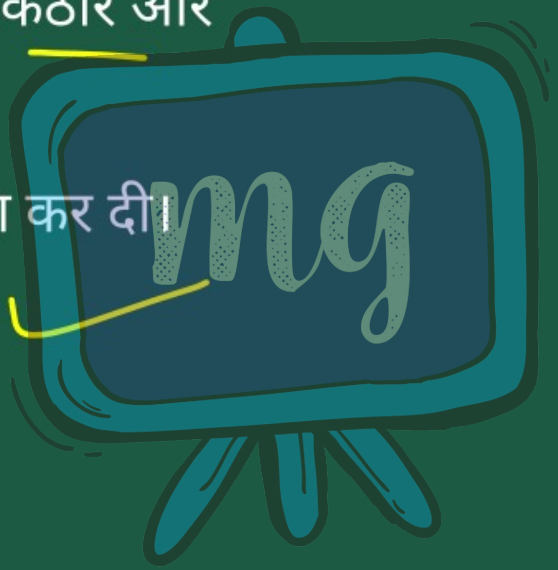
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इसी सिलसिले में वाइमर में एक राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाई गई।
- संघीय आधार पर एक लोकतांत्रिक संविधान पारित किया गया।
- जर्मन संसद यानी राइखस्टाग के लिए जनप्रतिनिधियों का चुनाव किया जाने लगा।
- प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए औरतों सहित सभी वयस्क नागरिकों को समान और सार्वभौमिक मताधिकार प्रदान किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

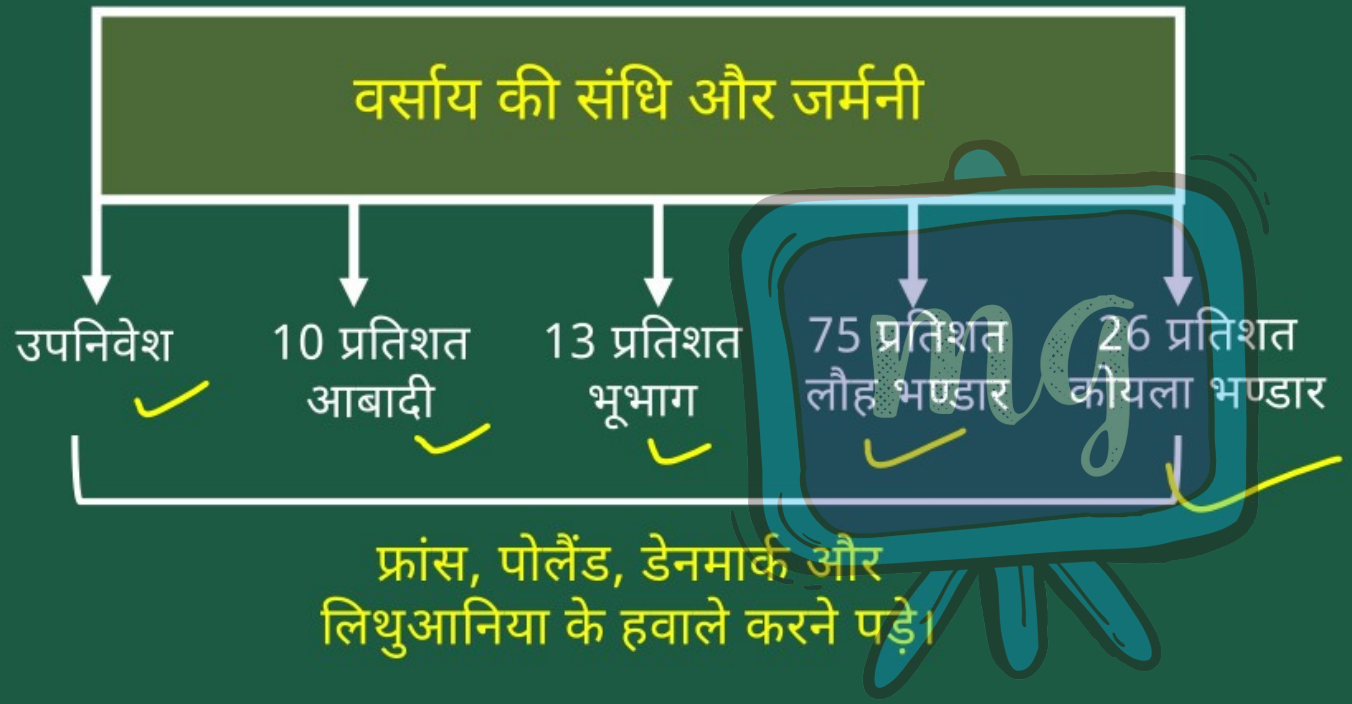
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- मित्र राष्ट्रों के साथ वर्साय में हुई शांति संधि जर्मनी की जनता के लिए बहुत कठोर और अपमानजनक थी।
- मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी की सेवा भंग कर दी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



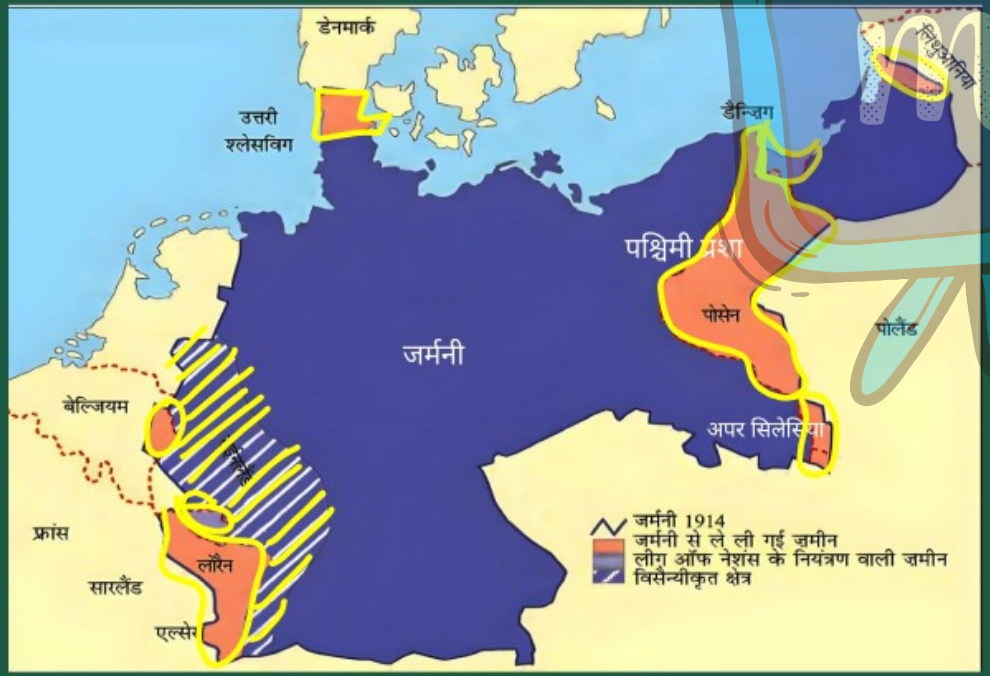
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

वर्साय की संधि के बाद जर्मनी

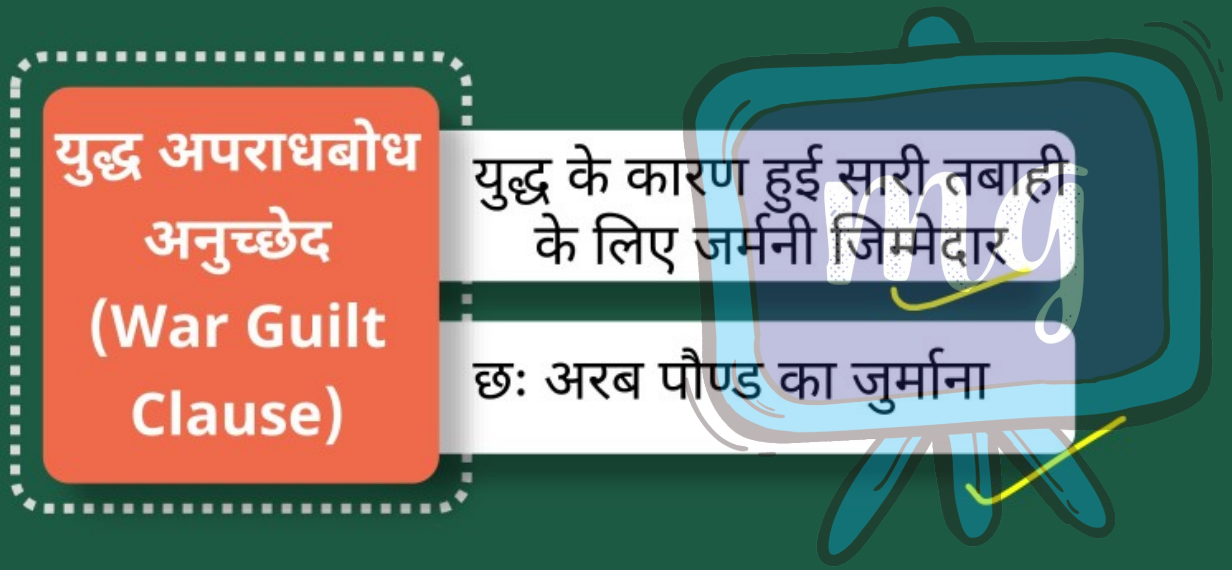
इस नक्शे में आप उन इलाकों को देख सकते हैं

जो संधि के बाद जर्मनी के हाथ से निकल गए थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

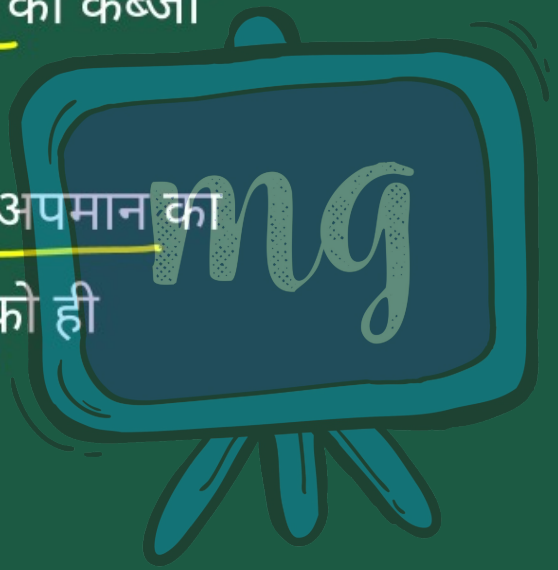
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- खनिज संसाधनों वाले राईनलैंड पर भी बीस के दशक में ज्यादातर मित्र राष्ट्रों का कब्जा रहा।
- बहुत से जर्मनों ने वर्साय में हुए अपमान का जिम्मेदार भी वाइमर गणराज्य को ही ठहराया।

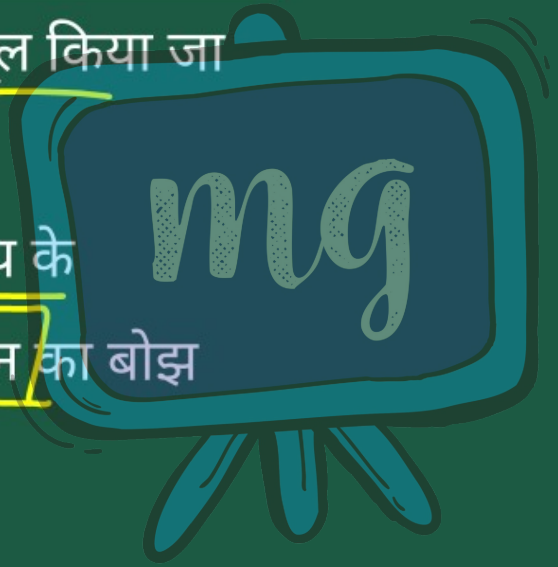


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

युद्ध का असर

- वाइमर गणराज्य से हर्जाना वसूल किया जा रहा था।
- इस गणराज्य को युद्ध में पराजय के अपराधबोध और राष्ट्रीय अपमान का बोझ ढोना पड़ा।
- आर्थिक रूप से अपंग।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- वाइमर गणराज्य के हिमायतियों में - समाजवादी, कैथलिक और डेमोक्रैट खेमे के लोग थे।
- 'नवम्बर के अपराधी' कहकर उनका मज़ाक उड़ाया गया।
- सिपाहियों को आम नागरिकों के मुकाबले ज़्यादा सम्मान दिया जाने लगा।
- मीडिया में खंदकों की ज़िंदगी का महिमामंडन किया जा रहा था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सार्वजनिक जीवन में अक्रामक फ़ौजी प्रचार और राष्ट्रीय सम्मान व प्रतिष्ठा की चाह बढ़ने लगी।
- रूढ़िवादी तानाशाहों को व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा।
- उस वक्त लोकतंत्र एक नया और बहुत नाज़ुक विचार था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नए शब्द

हर्जाना : किसी गलती के बदले दण्ड के रूप में नुकसान की भरपाई करना।

खंदक : युद्ध के मोर्चे पर सैनिकों के छिपने के लिए खोदे गए गड्ढे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

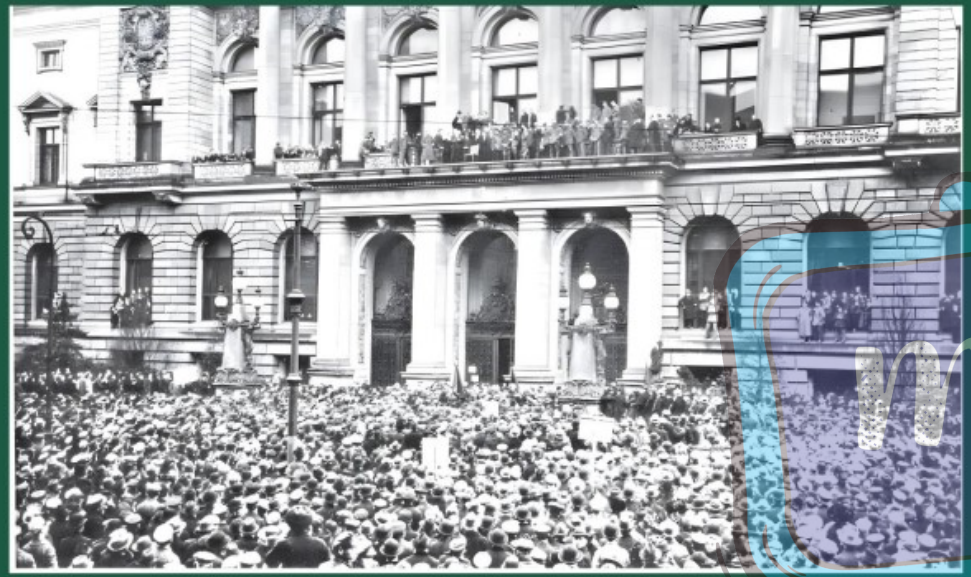
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक रैडिकलवाद (आमूल परिवर्तनवाद) और आर्थिक संकट

- रूसी बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर जर्मनी में भी स्पार्टकिस्ट लीग अपने क्रांतिकारी विद्रोह की योजना को अंजाम देने लगी।
- बहुत सारे शहरों में 'मजदूरों और नाविकों' की सोवियतें बनाई गई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



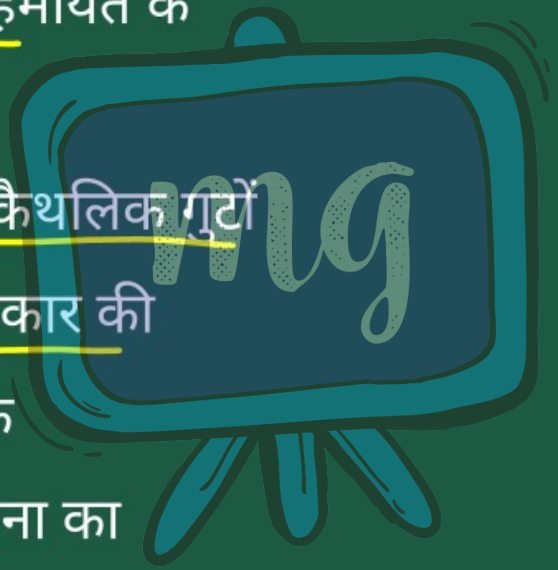
स्पार्टकिस्ट लीग नामक रैडिकल संगठन द्वारा आयोजित की गई रैली का दृश्य.

प्रशियन चेंबर ऑफ़ डेप्यूटीज़, बर्लिन के सामने आयोजित रैली।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- बार्लिन के राजनीतिक माहौल में सोवियत किस्म की शासन व्यवस्था की हिमायत के नारे गूँज रहे थे।
- समाजवादियों, डेमोक्रैट्स और कैथलिक गुटों ने वाइमर में इकट्ठा होकर इस प्रकार की शासन व्यवस्था के विरोध में एक लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना का फ़ैसला किया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- आखिरकार वाइमर गणराज्य ने पुराने सैनिकों के फ्री कोर नामक संगठन की मदद से इस विद्रोह को कुचल दिया।
- इस घटनाक्रम के बाद स्पार्टकिस्टों ने जर्मनी में कम्युनिस्ट पार्टी की नींव डाली।
- इसके बाद कम्युनिस्ट (साम्यवादी) और समाजवादी एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन हो गए और हिटलर के खिलाफ़ कभी भी साझा मोर्चा नहीं खोल सके।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- क्रांतिकारी और उग्र राष्ट्रवादी, दोनों ही खेमे रैडिकल समाधानों के लिए आवाज़ उठाने लगे।
- राजनीतिक रैडिकलवादी विचारों को 1923 के आर्थिक संकट से और बल मिला।
- जर्मनी ने पहला विश्वयुद्ध कर्ज लेकर लड़ा।
- युद्ध के बाद उसे स्वर्ण मुद्राओं में हर्जाना भी भरना पड़ा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जर्मनी के स्वर्ण भण्डार लगभग समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गए।
- 1923 में जर्मनी ने कर्ज और हर्जाना चुकाने से इनकार कर दिया।
- इसके जवाब में फ्रांसीसियों ने जर्मनी के मुख्य औद्योगिक इलाके रूर पर कब्ज़ा कर लिया।
- यह जर्मनी के विशाल कोयला भण्डारों वाला इलाका था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जर्मनी ने फ्रांस के विरूद्ध निष्क्रिय प्रतिरोध के रूप में बड़े पैमाने पर कागज़ी मुद्रा छापना शुरू कर दिया।
- इससे उसके मुद्रा मार्क का मूल्य तेजी से गिरने लगा।
- एक डॉलर में खरबों मार्क मिलने लगे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- मार्क की कीमत गिरने से ज़रूरी चीज़ों की कीमतें आसमान छूने लगीं।
- इस संकट को बाद में अति-मुद्रास्फीति का नाम दिया गया।
- जब कीमतें बेहिसाब बढ़ जाती हैं तो उस स्थिति की अति-मुद्रास्फीति का नाम दिया जाता है।
- जर्मनी को इस संकट से निकालने के लिए अमेरिकी सरकार ने हस्तक्षेप किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इसके लिए अमेरिका ने डॉव्स योजना बनाई।
- इसमें जर्मनी के आर्थिक संकट को दूर करने के लिए हर्जाने की शर्तों को दोबारा तय किया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वेतन भुगतान के लिए बर्लिन में टोकरियों और ठेलों में कागज़ के नोट लादे जा रहे हैं, 1923. जर्मन मार्क की कीमत इतनी कम रह गई थी कि मामूली भुगतान के लिए भी बहुत सारे नोटों की ज़रूरत पड़ती थी।

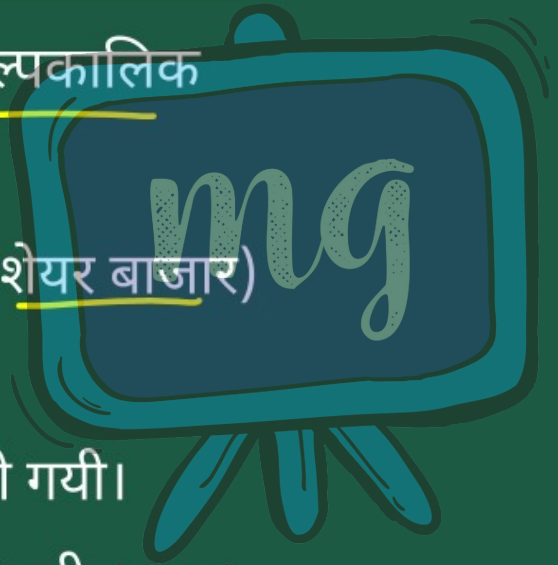


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मंदी के साल

- जर्मनी अमेरिका से लिए गए अल्पकालिक कर्जों पर आश्रित था।
- 1929 में वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज (शेयर बाजार) धराशायी हो गया।
- जर्मनी को मिल रही मदद बंद हो गयी।
- 1929 से 1932 तक अमेरिकी राष्ट्रीय आय आधी रह गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज : अमेरिका में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार ।

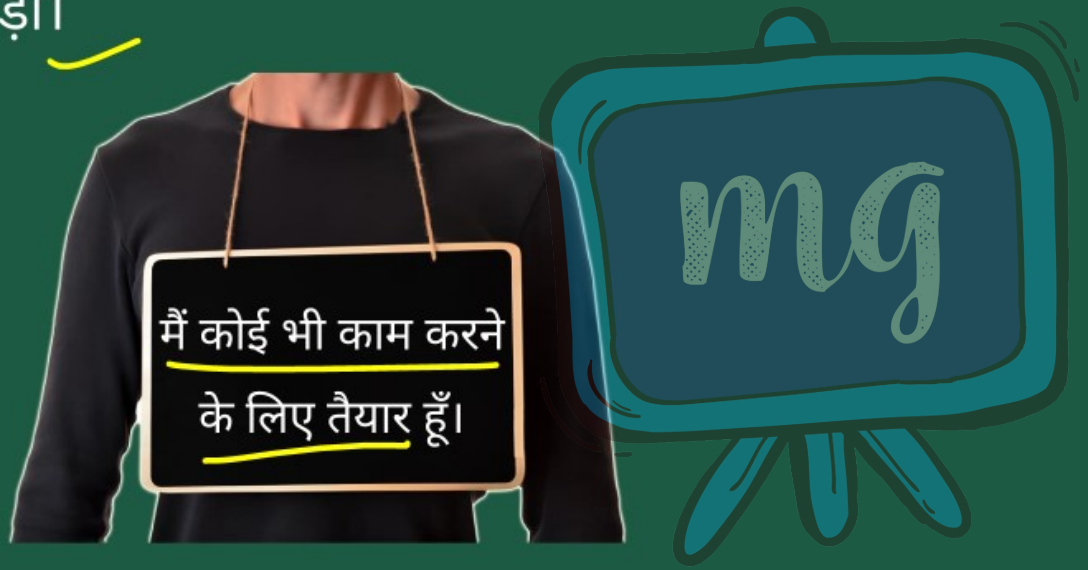
अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर मंदी का असर

- फ़ैक्ट्रियाँ बंद हो गईं
- निर्यात में गिरावट
- किसानों की हालत खराब
- सट्टेबाज बाज़ार से पैसा खींच रहे थे

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ इस मंदी का सबसे बुरा प्रभाव जर्मन अर्थव्यवस्था पर पड़ा।



सर्वहाराकरण: गरीब होते-होते मजदूर वर्ग की आर्थिक स्थिति में पहुँच जाना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

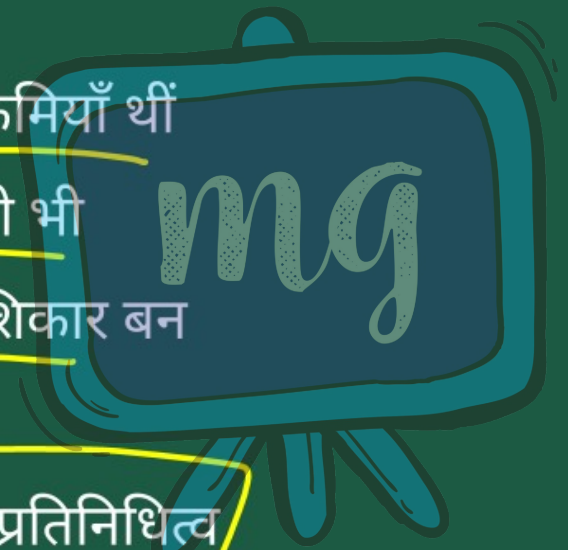


लाइन पर सोते लोग। महामंदी के दिनों में बेरोज़गारों को
न तो वेतन की उम्मीद रहती थी न ही ठौर-ठिकाने की।
जाड़ों में जब उन्हें सिर छिपाने की जगह चाहिए होती थी
तो इसके लिए भी उन्हें पैसा देना पड़ता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- राजनीतिक स्तर पर वाइमर गणराज्य एक नाज़ुक दौर से गुज़र रहा था।
- वाइमर संविधान में कुछ ऐसी कमियाँ थीं जिनकी वजह से गणराज्य कभी भी अस्थिरता और तानाशाही का शिकार बन सकता था।
- इनमें से एक कमी आनुपातिक प्रतिनिधित्व से सम्बन्धित थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इस प्रावधान के कारण किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिल रहा था।
- हर बार गठबंधन सरकार सत्ता में आ रही थी।
- दूसरी समस्या अनुच्छेद 48 की वजह से थी।

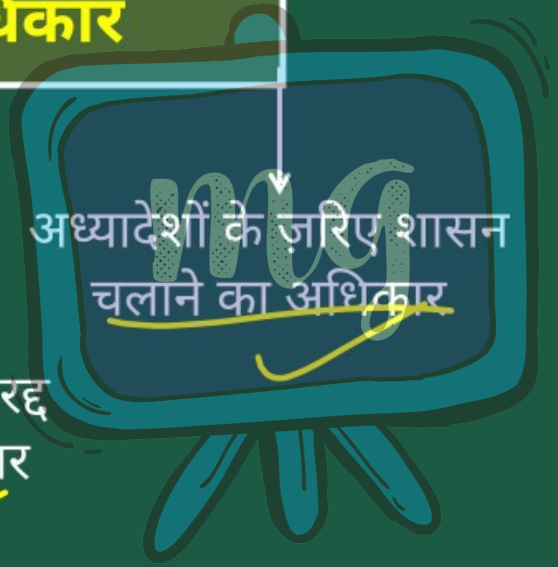


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अनुच्छेद 48 के तहत राष्ट्रपति को दिए गए अधिकार

- आपातकाल लागू करने का अधिकार
- नागरिक अधिकार रद्द करने का अधिकार
- अध्यादेशों के ज़रिए शासन चलाने का अधिकार



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अपने छोटे से जीवनकाल में वाइमर गणराज्य का शासन 20 मंत्रिमण्डलों के हाथों में रहा।
- उसकी औसत अवधि 239 दिन से ज्यादा नहीं रही।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज
2. अति-मुद्रास्फीति
3. स्पार्टकिस्ट लीग



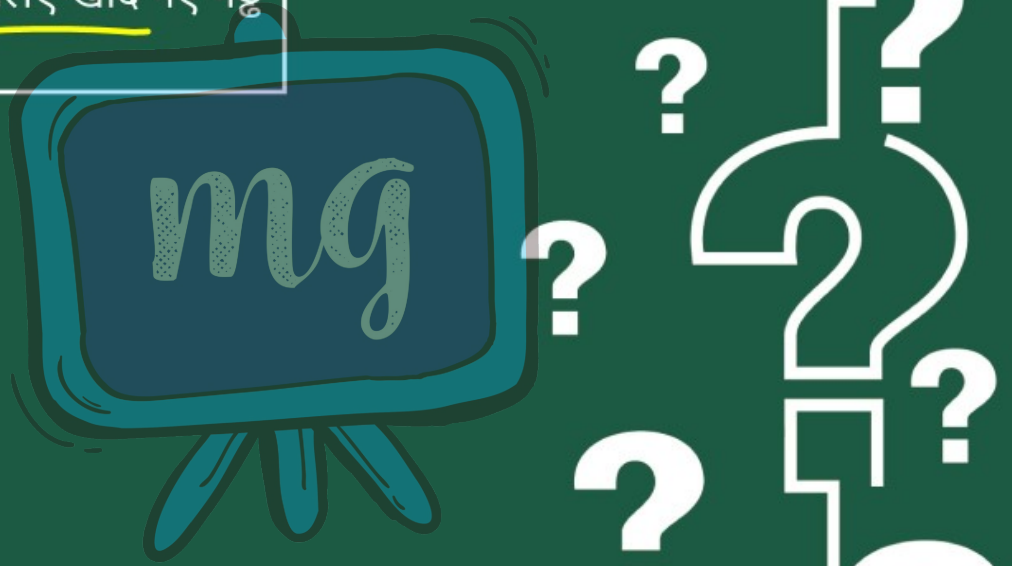
Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

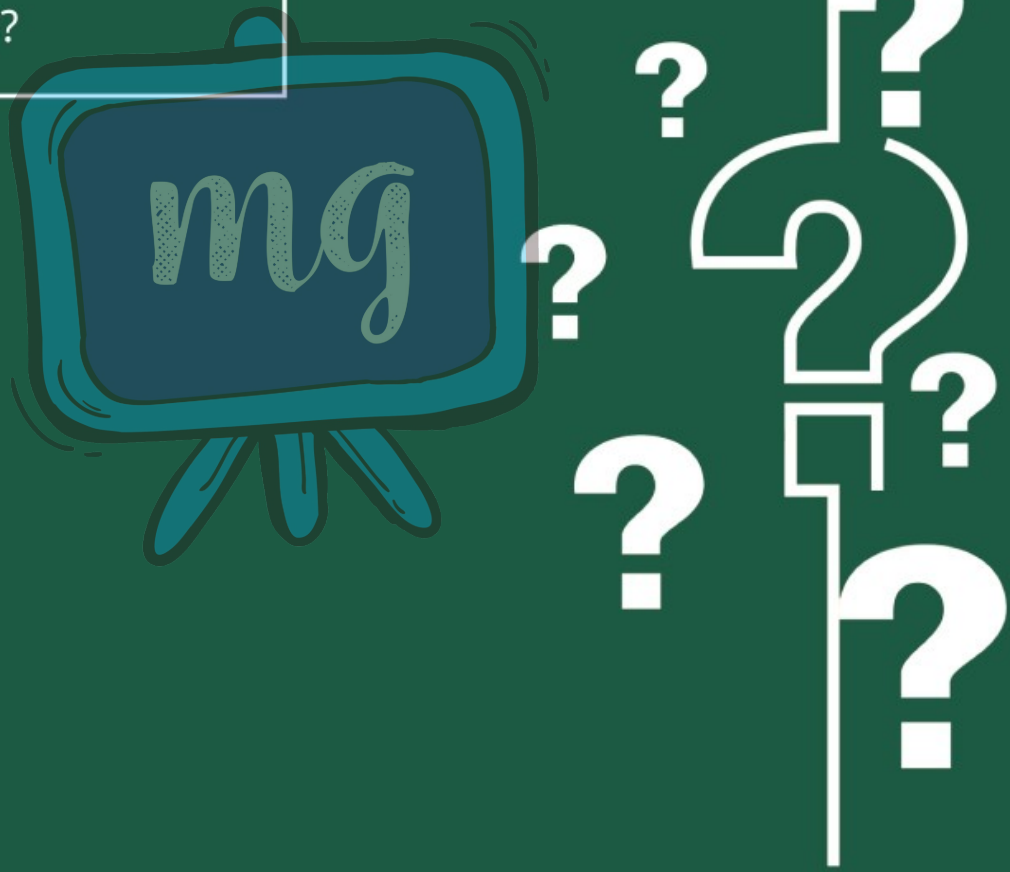
1 युद्ध के मोर्चे पर सैनिकों के छिपने के लिए खोदे गए गड्ढे को कहते हैं?

- अ ✓ खंदक
- ब बंकर
- स नाला
- द बावड़ी



2 प्रथम विश्व युद्ध में कौन से मित्र राष्ट्र थे?

- अ रूस-इंग्लैंड-फ्रांस
- ब जापान-इटली-जर्मनी
- स ऑस्ट्रिया-जर्मनी-रूस
- द भारत-रूस-जापान



3 जर्मनी को संकट से निकालने के लिए डॉव्स योजना किसने बनाई?

- अ फ्रांस
- ब ब्रिटेन
- स अमेरिका ✓
- द रूस





4 | वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज अमेरिका में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाज़ार था।

अ ✓ सत्य

ब असत्य





5 ..... में वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज धराशायी हो गया।

१९२९



